।। एकल ।।
भारत लोक शिक्षा परिषद्
(एकल अभियान से संबंधित)
विश्व का सर्वश्रेष्ठ सामाजिक शिक्षा संगठन
जुलाई – सितम्बर -2024
अठारहवां संस्करण

राष्ट्रीय महिला विभाग

शिक्षा और संस्कार जिंदगी जीने के मूल मंत्र हैं
शिक्षा झुकने नहीं देगी और संस्कार कभी गिरने नहीं देंगे

'भारतीय धरोहर सम्मान-2023

"भारतीय धरोहर" द्वारा 21 सितंबर 2024 को भारत की गौरवशाली प्राचीन संस्कृति के संरक्षण के लिए **हमारे BLSP ट्रस्टी माननीय श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी को "भारतीय धरोहर सम्मान-2023" से सम्मानित किया गया।** जिसमें चयनित व्यक्तित्वों को उनके भारत की प्राचीन गौरवशाली धरोहर को संजोने में अप्रतिम योगदान के लिए सम्मानित किया गया। देश की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था 'भारतीय धरोहर' पिछले उन्नीस वर्षों से प्राचीन भारत के समृद्ध ज्ञान विज्ञान की प्रासंगिकता और उपयोगिता को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास कर रही है। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के ऐसे व्यक्ति, संस्था या संस्थान को प्रोत्साहित करना है जो भारत के प्राचीन गौरवशाली ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य को आगे बढ़ाने में कार्यरत हैं।

मुख्य अतिथि –श्री शिव प्रताप शुक्ल जी (माननीय राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई एवं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती संगीता यादव जी (सदस्य, राज्य सभा) द्वारा की गयी।

भारत लोक शिक्षा परिषद् एवं एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन लिए यह बड़े गर्व का विषय है कि हम सबके प्रेरणा स्रोत अभिभावक एवं मार्गदर्शक श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी (चेयरमैन, ट्रस्ट बोर्ड, भारत लोक शिक्षा परिषद् एवं एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन) को एकल अभियान के माध्यम से भारत की प्राचीन ग्रामीण एवं आदिवासी धरोहर के संवर्धन, संरक्षण एवं शिक्षित राष्ट्र के निर्माण में अप्रतिम योगदान के लिए सम्मानित किया गया। श्री संजीव गोयल जी ने जब श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी का सम्मान पत्र पढ़ा तो सभी ने गर्व महसूस किया।

श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी (चेयरमैन, ट्रस्ट बोर्ड, भारत लोक शिक्षा परिषद् एवं एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन) – ने एकल के कार्यकर्ताओं और सेवाव्रतियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि "इन सेवाव्रतियों और कार्यकर्ताओं की वजह से ही एकल अभियान सफल हुआ है...इन्होंने अपने परिवार की जगह समाज को परिवार माना है राष्ट्र को परिवार माना है और उसे आगे बढ़ा रहे हैं"।

'श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम'

भारत लोक शिक्षा परिषद् 'राष्ट्रीय महिला विभाग' के द्वारा राष्ट्रीय प्रधान, राष्ट्रीय महिला विभाग श्रीमती सोनल रासीवासिया जी एवं महिला विभाग की पूरी टीम के नेतृत्व में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य आयोजन 8 सितम्बर 2024 को किया गया, जिसमें 250 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को एकल से जोड़ना, एकल की गतिविधियों व प्रयास के बारे में बताना और एकल विद्यालय के लिए धन संग्रह करना था... जिससे उन बच्चों के सपनों को साकार किया जा सके जिनके हौसलों की उड़ान सिर्फ संसाधन की कमी की वजह से रुक जाती है ....

कार्यक्रम में पिछले 17 वर्षों से देश विदेश में भगवान श्रीकृष्ण का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में बसने वाले श्री आशुतोष तराटें जी ने 'उषा और अनिरुद्ध की एक दिव्य प्रेम कथा' का मंचन कर सभी को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में भारत लोक शिक्षा परिषद् के सभी चैप्टर्स की बहनों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और महिला विभाग की बहनों ने बहुत ही सुन्दर सामूहिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके सभी दर्शकों का मन मोह लिया।

सानिध्य - श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी (चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड, BLSP) एवं आशीर्वचन परम पूज्य आचार्य महामंडलेश्वर आनंद पीठाधीश्वर स्वामी श्री बालकानंद जी महाराज और श्री अजय याग्निक जी का प्राप्त हुआ।

मुख्य अतिथि – डॉ. रोमा कुमार (वरिष्ठ चिकित्सक सर गंगा राम हॉस्पिटल)

विशिष्ट अतिथि – श्री दुर्गा शंकर मिश्र जी (पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश एवम पूर्व चेयरपर्सन दिल्ली मैट्रो), श्री आईसीपी केसरी जी (पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश), श्री कमलनयन चौबे (पूर्व डीजीपी झारखंड) जी सहित समाज के कई गणमान्य महानुभावों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

तेजस्विनी प्रो. मंजु श्रीवास्तव 'दीदी जी' ट्रस्टी एवं प्रधान, एकल संस्थान) - इस कार्यक्रम में सेवा, समर्पण और त्याग की प्रतिमूर्ति एवं महिला विभाग की प्रेरणा स्रोत प्रो. मंजु श्रीवास्तव 'दीदी जी' का राष्ट्रीय महिला विभाग की बहनों ने स्नेहपूर्ण सम्मान किया। कार्यक्रम में ट्रस्टी श्री सुभाष अग्रवाल जी, ट्रस्टी श्री जी. डी. गोयल जी, राष्ट्रीय चेयरमैन श्री नीरज रायज़ादा जी, राष्ट्रीय प्रधान श्री अखिल गुप्ता जी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजीव अग्रवाल जी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री सुनील गुप्ता जी एवं सभी चैप्टर के कई गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में एकल नर्सरी स्कूल के बच्चों द्वारा एकल विद्यालय की झांकी लगाई गयी जिससे सभी बहुत प्रभावित हुए।

हाथ में वंशी, घनश्याम – शरीर पर पीताम्बर, बिम्बा – जैसे लाल होंठ, पूर्णचन्द्र – जैसा मुख, कमलनेत्र – ऐसे कृष्ण के अतिरिक्त और कोई तत्व मैं नहीं जानता।

अनमोल विचार

परम पूज्य आचार्य महामंडलेश्वर आनंद पीठाधीश्वर स्वामी श्री बालकानंद जी महाराज –
ने कहा कि "एकल विद्यालय के माध्यम से जो शिक्षा देने का कार्य हो रहा है वह भारत में एक ऐसी ऊर्जा को जागृत कर रहा है जो हमारे सनातन धर्म के संस्कारों को मजबूत कर रही है।"

श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी (चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड, BLSP) –
ने बताया कि "देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में एकल विद्यालय चलाने और उन विद्यालयों में शिक्षा स्वास्थ्य, संस्कार एवं जागरण की शिक्षा देने का कार्य किया जा रहा है, जिससे बच्चे शिक्षित तो हो ही रहे हैं साथ ही इन विद्यालयों के माध्यम से देश की आंतरिक सुरक्षा भी मजबूत हो रही है"

प्रो. मंजु श्रीवास्तव 'दीदी जी' (ट्रस्टी एवं प्रधान, एकल संस्थान) –
महिला विभाग को प्रोत्साहित करते हुए दीदी जी ने कहा कि "एकल मेरा मिशन है और मैं एक समर्पित कार्यकर्त्ता हूँ, मेरा सहयोग, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद सदैव बहनों को प्राप्त होता रहेगा।"

डॉ. रोमा कुमार (वरिष्ठ चिकित्सक, सर गंगा राम हॉस्पिटल) –
"आज एकल जो शिक्षा दे रहा है इससे बेहतर कोई और कार्य नहीं हो सकता, क्योंकि इसमें शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी शामिल है"

झलकियाँ

भारत लोक शिक्षा परिषद्
नेशनल गौरव अवार्ड – 2024

इंडियन ब्रेवहार्ट संस्था द्वारा देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित अवॉर्डों में से एक **'नेशनल गौरव अवार्ड-2024'** का भव्य आयोजन 28 सितम्बर 2024 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया गया। जिसमें 600 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

संस्था द्वारा एकल अभियान के माध्यम से ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों के शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण में विशिष्ट योगदान देने और शिक्षित भारत के निर्माण में अप्रतिम योगदान के लिए भारत लोक शिक्षा परिषद को **'नेशनल गौरव अवार्ड-2024' से सम्मानित किया गया**।

मुख्य अतिथि – पूज्य राष्ट्रीय संत बालयोगी, श्री उमेशनाथ जी महाराज, राज्यसभा सांसद आर.एस.एस. के वरिष्ठ श्री इंद्रेश कुमार जी, पूर्व राज्य सभा सांसद आर. के. सिन्हा जी, इंडियन ब्रेव्हार्ट के संस्थापक मोनिशा पंवार-देवेंद्र पंवार और प्रसिद्ध समाजसेवी लोकेश शर्मा जी सहित अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल हुए।

- **श्री नीरज रायजादा (राष्ट्रीय चेयरमैन, भारत लोक शिक्षा परिषद्, एकल अभियान)** – ने एकल प्रजेंटेशन के माध्यम से एकल के बारे में सभी को विस्तार से बताया और कहा कि एक लाख तक हमारी पहुँच हो चुकी है और हमें 6.5 लाख गाँवों तक पहुँचाना है, इसे हम निश्चित रूप से प्राप्त करके रहेंगे, राष्ट्र निर्माण के इस पुनीत कार्य में आप भी जुड़ें और सहयोग करें।"
- **पूज्य संत बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज (बाल्मीकि धाम, उज्जैन)** - "आज एकल अभियान द्वारा लगभग एक लाख विद्यालयों के माध्यम से लाखों बच्चों के जीवन को संवारने का पुनीत कार्य किया जा रहा है, यह एक ऐसा प्रयास है जो परम पिता परमेश्वर को भी वंदनीय होगा, राष्ट्र निर्माण के इस कार्य के लिए मैं संस्था के प्रयासों को नमन करता हूँ।"

हम जो भी शुभ काम करते है।
भगवान् का ही काम करते है॥

सत्य– शिक्षा प्रद कथा

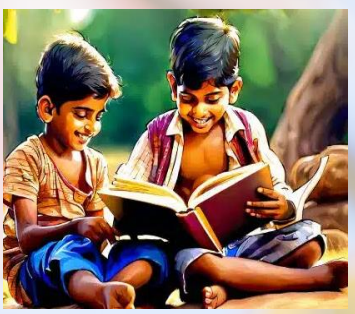

जिह्वा को वश में रखना चाहिये

श्री महादेव गोविन्द रानाडे के यहाँ एक दिन उनके किसी मित्र ने आम भेजे। रानाडे की पत्नी रमाबाई ने आम धोकर, बनाकर रानाडे के सम्मुख रखे। रानाडे ने आम के दो – एक टुकड़े खाकर उनके स्वाद की प्रशंसा की और कहा – 'इसे तुम भी खाकर देखो और सेवकों को भी देना।'

रमाबाई को आश्चर्य हुआ कि उनके पतिदेव ने आम के केवल दो – तीन टुकड़े ही क्यों खाये ? उन्होंने पूछा – ' आपका स्वास्थ्य तो ठीक है ?'

रानाडे हँसें – ' तुम यही तो पूछती हो कि आम स्वादिष्ट हैं, सुपाच्य हैं तो मैं अधिक क्यों नहीं लेता ? देखो, ये मुझे बहुत स्वादिष्ट लगे, इसलिए मै अधिक नहीं लेता'।

यह अच्छा उत्तर है कि स्वादिष्ट लगता है, इसलिए अधिक नहीं लेना है ! पति की यह अटपटी बात रमाबाई समझ नहीं सकीं। रानाडे ने कहा – 'तुम्हारी समझ में मेरी बात नहीं आती। देखो, बचपन में जब मैं मुंबई में पढ़ता था, तब मेरे पड़ोस में एक महिला रहती थी। वे पहले संपन्न परिवार की सदस्या रह चुकी थीं, किन्तु भाग्य के फेर से सम्पति नष्ट हो गयी थी। किसी प्रकार अपना और पुत्र का निर्वाह हो, इतनी आय उनकी थी। वे अनेक बार जब अकेली होतीं, तब अपने – आप कहती थीं – ' मेरी जीभ बहुत चटोरी हो गयी है। इसे बहुत समझाती हूँ कि चार – छः साग मिलने के दिन गये। अनेक प्रकार की मिठाइयाँ अब दुर्लभ है। पकवानों का स्मरण करने से कोई लाभ नहीं। फिर भी मेरी जीभ नहीं मानती। मेरा बेटा रुखी – सूखी खाकर पेट भर लेता है, किन्तु दो – तीन साग बनाये बिना मेरा पेट नहीं भरता।'

श्री रानाडे ने यह घटना सुनाकर बताया कि – 'पड़ोस में रहने के कारण उस महिला की बातें मैंने बार – बार सुनीं। मैंने तभी से नियम बना लिया कि जीभ जिस पदार्थ को पसंद करे, उसे बहुत ही थोड़ा खाना, जीभ के वश में न होना। यदि उस महिला के समान दुःख न भोगना हो तो जीभ को वश में रखना चाहिये और यह नीति भी है कि स्वादिष्ट वस्तु को अकेला ही न खाये – 'एकः स्वादु न भुञ्जीत।'

संस्कार

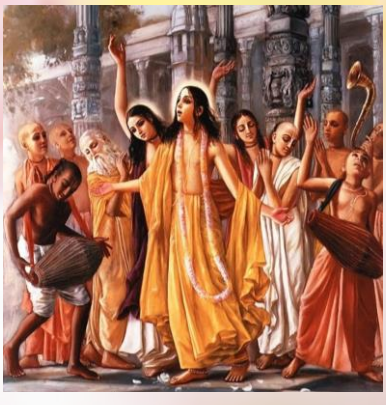

भजन कब करोगे ?

अमावस्या के दिन समुद्र स्नान का बड़ा महात्मय है। उस दिन समुद्र – स्नान से पुण्य की प्राप्ति होती है। एक व्यक्ति उस दिन समुद्र – स्नान करने गया, किन्तु स्नान करने के बजाय वह किनारे पर बैठा रहा।

किसी ने पूछा – 'स्नान करने आए हो तो किनारे पर क्यों बैठे हो ? स्नान कब करोगे ?'

उस व्यक्ति ने उत्तर दिया – ' इस समय समुद्र अशांत है। उसमे ऊँची – ऊँची लहरें आ रही है। लहरें बंद होंगी और समुद्र शांत होगा, तभी स्नान करूँगा।

पूछने वाले को हँसी आयी। वह बोला – 'भले आदमी ! समुद्र की लहरें क्या कभी रुकने वाली हैं ? ये तो आती ही रहेंगी। समुद्र – स्नान तो लहरों के थपेड़े सहकर ही करना पड़ता है, नहीं तो स्नान कभी नहीं हो सकता।'

यह हम सबकी कथा है। हम विचार करते है कि सभी प्रकार की अनुकूलताएं होंगी, तभी परमात्मा का भजन ध्यान करूंगा। किन्तु सभी प्रकार की अनुकूलताएं जीवन में किसी को कभी मिलती नहीं। संसार.... समुद्र के समान है, जिसमें बाधा रूपी तरंगे तो हमेशा उठती ही रहेंगी। एक परेशानी दूर होने पर दूसरी परेशानी उपस्थित होगी ही। जिस प्रकार वह व्यक्ति बिना स्नान किये रह गया, उसी प्रकार.... सभी प्रकार से समय की अनुकूलता की राह देखने वाले व्यक्ति से ईश्वर – भजन कभी नहीं हो सकता।

भजन के लिए उपयुक्त समय की राह मत देखो।

हर क्षण भजन के लिए अनुकूल है। ' कोई परेशानी नहीं रहेगी तब ईश्वर – भजन करूंगा' – ऐसा सोचना निरी मूर्खता है।

जागरण

चिंतन योग्य विचार

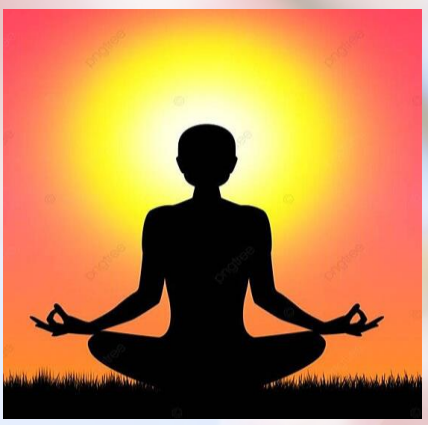

- वाणी पर नियंत्रण कर पाना ही संसार – बंधन से मुक्ति पाने का सबसे सरल उपाय है।
- जो अपनी जिह्वा पर नियंत्रण नहीं रख सकता, वह मन पर नियंत्रण कैसे कर सकता है ?
- वाक्य या शब्द मुहँ से निकलने पर पीछे लौटना असंभव है।
- सदा ही अपनी या अपनों की प्रशंसा करते रहना और परस्पर चर्चा में भी अपनी चर्चा चलाते रहना बुधिमत्ता नहीं है। यह दूसरों की दृष्टि में अपने को गिराना है।
- जिह्वा पर सबसे अधिक नियंत्रण होना चाहिए। आनंद खोने में नहीं खिलाने में है तथा बोलने की कला से सुनने की क्षमता सदा श्रेष्ठ है।
- गंभीरता तथा विचारों की पवित्रता परम आवश्यक है।
- किसी के घर में जगह बना लेना सरल है, परन्तु हृदय में स्थान पाना अत्यंत कठिन है।
- यदि हम किसी का भला नहीं कर सकते तो किसी का बुरा करने का क्या अधिकार है ?
- यदि हम किसी की प्रशंसा नहीं कर सकते तो निंदा करने का क्या अधिकार है ?
- दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए, जैसा हम दूसरों से चाहते हैं।
- जबतक हममें क्षमा करने की शक्ति नहीं है, भगवान की प्रसन्नता प्राप्त नहीं हो सकती।
- हमको मन की शांति तभी प्राप्त होगी, जब हम किसी के मन को अशांत न करें।

आरोग्य

गुणकारी नींबू के विविध प्रयोग

- **आमवात, गठिया, जोड़ों के दर्द –** नित्य प्रात: एक गिलास पानी में एक नींबू निचोड़कर पियें। नींबू की फांक दर्द वाली जगह पर रगड़कर फिर स्नान करें।

- **गला दर्द, गला बैठना, गले में ललाई –** एक गिलास गरम पानी में नमक और आधा नींबू निचोड़कर सुबह – शाम गरारे करें।

- **नेत्र – ज्योतिवर्धक –** एक गिलास पानी में एक नींबू निचोड़कर प्रात: खाली पेट हमेशा पीते रहें। नेत्रज्योति ठीक बनी रहेगी। इससे पेट साफ रहता है, शरीर स्वस्थ रहता है। निरोग रहने का यह प्राथमिक उपचार है।

- **गैस –** एक चम्मच नींबू का रस, एक चम्मच पीसी हुई अजवाईन, आधा कप गरम पानी में मिलाकर सुबह – शाम पीयें।

- **खट्टी डकारें –** यदि खट्टी डकारें आती हों तो गरम पानी में नींबू निचोड़कर पीयें।

- **उल्टी –** आधा कप पानी में पंद्रह बूंद नींबू का रस, भुना एवं पिसा हुआ जीरा, पिसी हुई एक छोटी इलायची मिलाकर हर आधे घंटे में पीयें। इससे उल्टी में लाभ होता है।

- **खांसी –** आधे नींबू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर चाटने से तेज खासीं, श्वास, जुकाम में लाभ होता है।

- **सिर दर्द –** नींबू के छिलके पीसकर सिर पर लेप करने से सिर दर्द में लाभ होता है।

- **खुजली –** नहाने से पहले नींबू की फांक में पिसी हुई फिटकरी भरकर खुजली वाली जगह पर रगड़ें। दस मिनट बाद स्नान करें, खुजली में लाभ होगा।

- **चक्कर आना –** प्रात: नींबू की मीठी शिकंजी पीने से उठते – बैठते समय आने वाले चक्कर ठीक हो जाते है।

दीपावली पूजन

अपनी संस्कृति को सम्मान देते हुए आज एकल ग्राम संगठन महिला विभाग ने प्रत्येक गाँव- गाँव में आचार्य एवं विद्यार्थियों के साथ समिति द्वारा दीपावली पूजन जन जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया है। दिवाली का पर्व कार्तिक मास के अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की उपासना की जाती है। इस दिन भगवान राम लंका पर विजय प्राप्त करके अयोध्या वापिस लौटे थे, जिसकी खुशी में सभी दीपक जलाते हैं एवं रंगोली बनाते हैं। अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए एकल नित्य कदम उठता रहता है।

श्री गणेश पूजा क्यों ?

भगवान गणेश, मनुष्यों के कष्ट हर लेते है और उनकी पूजा करने से घर में सुख समृद्धि आती है। परंपरा के अनुसार, हर धार्मिक उत्सव और समारोह की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा से ही होती है। गणेश भगवान का रूप, मनुष्य और जानवर के अंग से मिलकर बना हुआ है। जो गहरे आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है। दिवाली मुख्य रूप से भगवान राम से जुड़ी है, लेकिन इस दौरान देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की भी व्यापक रूप से पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि जब भगवान राम अयोध्या लौटे, तो देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश भी आए। ये देवता धन, समृद्धि और सफलता का प्रतीक हैं।

माँ लक्ष्मी पूजा क्यों ?

मां लक्ष्मी को धन-वैभव की देवी कहा गया है। लक्ष्मी पूजा से जीवन में सुख-समृद्धि और धन-धान्य की कोई कमी नहीं रहती। दिवाली के दौरान देवी महालक्ष्मी हर घर में भाग्य, धन और स्वास्थ्य सहित कई अन्य आशीर्वाद लेकर आती हैं। दिवाली पर लक्ष्मी पूजा करने से देवी महालक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त करने में मदद मिलती है और घर में समृद्धि, धन, स्वास्थ्य और शुभता को आमंत्रित किया जा सकता है। लक्ष्मी पूजन में कौड़ी का महत्व :- असली कौड़ी (धन प्राप्ति के लिए कौड़ी के उपाय) समुद्र में मिलने वाली शंख और कौड़ी को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। इसलिए कौड़ी को माता लक्ष्मी की पूजा और दिवाली पूजन के दिन शामिल कर तिजोरी में रखा जाता है।

आज हम अशांत क्यों हैं ?

आज मनुष्य सुख, शांति की खोज में भटक रहा है। हम अपनी शांति के लिए एक वस्तु का संग्रह करते हैं तो चार वस्तुएं नयी आवश्यकताएँ हमारे मानस – पटल पर अंकित हो जाती हैं। हमारी बढ़ी हुई आवश्यकताएं, वासनाएँ ही हमारी वर्तमान अशांति का कारण हैं।

वास्तव में शांति कहीं मोल नहीं मिलती है। वह तो हमारी आत्मा में निवास करती है। आत्मा से बाहर उसकी सत्ता नहीं है। जब हमारा अंत: करण भगवद्भजन के प्रभाव से शुद्ध और सात्विक बनता है, इन्द्रियां वश में हो जाती है, तभी हम अपने – आप में छिपी हुई शांति की वास्तविक निधि को पहचान पाते हैं।

भारत के प्रख्यात राजनीतिक आचार्य चाणक्य महोदय के समत – सम्पदा के महत्त्व – विषयक विचार विशेष रूप से विचारणीय हैं –कोटि स्वर्ण मुद्रा देने पर भी जीवन का एक क्षण प्राप्त नहीं हो सकता, वह यदि वृथा नष्ट हो जाये तो इससे अधिक हानि क्या होगी ?

एक प्रसिद्ध विचारक ने कहा है कि – ‘ कोई घड़ी ऐसी नहीं बन सकती जो एक बार बीते हुए समय को सामने ला सके।’ वास्तव में खोयी हुई सम्पदा परिश्रम से पुन: प्राप्त की जा सकती है, भूला हुआ ज्ञान अध्ययन से प्राप्त हो सकता है, गंवाया हुआ स्वास्थ्य औषधि एवं संयम से लौटाया जा सकता है, परन्तु नष्ट हुआ समय सदा के लिये चला जाता है।

उड़ गया मेरा समय जैसे बिहंगम ,
और खाली हाथ जीवन रह गया है

हमारे महिला विभाग चैप्टर्स द्वारा – कार्य

संसद भवन दर्शन

BLSP परिवार समन्वय सम्मेलन (BPSS)
8 एवं 9 जून 2024

पालमपुर वनयात्रा- दक्षिण दिल्ली चैप्टर
28,29 एवं 30 जून 2024

वाराणसी चैप्टर
11 जुलाई 2024

एकल ऑन व्हील उद्घाटन – कानपुर चैप्टर
17 जुलाई 2024

तीज कार्यक्रम – उत्तरी दिल्ली चैप्टर
19 जुलाई 2024

वनयात्रा – कानपुर चैप्टर
01 अगस्त 2024

जम्मू चैप्टर
02 अगस्त 2024

अमेलिया प्रदर्शनी – लखनऊ चैप्टर
03 अगस्त 2024

पश्चिमी दिल्ली चैप्टर
परिवार मिलन कार्यक्रम
11 अगस्त 2024

उत्तरी दिल्ली चैप्टर -वृक्ष वितरण
10 अक्टूबर 2024

युवा विभाग

एकल भारत चैनल एवं एकल युवा BLSP टीम

एकल भारत मंच 2.0
20-21 अगस्त 2024, लखनऊ

एकल अभियान का अपना प्रतिष्ठित - यूट्यूब चैनल एकल भारत दिनों दिन अपनी सफलता के सोपान लिखता जा रहा है। इसी क्रम में बहुप्रतीक्षित एकल भारत मंच-2.0 का भव्य शुभारंभ गत 20 एवं 21 अगस्त 2024 को लखनऊ के होटल फार्च्यून में हुआ। जिसके प्रथम दिवस प्रदेश की जानी-मानी राजनीतिक हस्तियों एवं सेलिब्रिटियों ने भाग लिया इस अवसर पर एकल अभियान के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी माननीय माधवेंद्र सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति के साथ ही एकल भारत टीम के पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला विभाग की राष्ट्रीय प्रधान श्रीमती सोनल रासीवासिया जी ने महिला विभाग के बारे में सभी को बताया |

"5वाँ एकल कनेक्ट कार्यक्रम"
31 अगस्त 2024, कानपुर

भारत लोक शिक्षा परिषद, कानपुर चैप्टर द्वारा 31 अगस्त 2024 को "5वां एकल कनेक्ट" कार्यक्रम का आयोजन कानपुर विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित दानदाता बंधुओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा के माननीय सदस्य और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी जी उपस्थित थे। राष्ट्रीय चेयरमैन श्री नीरज रायजादा जी ने एकल प्रेजेंटेशन के माध्यम से राष्ट्रनिर्माण के लिए जुड़े एकल एक बारे में सभी को विस्तार से समझाया, और एकल में जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में श्रीमती अनुराधा वार्ष्णेय जी एवं महिला विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

"अभ्युदय यूथ क्लब"

अभ्युदय यूथ क्लब के अंतर्गत अंचल गोपेश्वर संच मंडल स्तरीय खेलकूद समारोह मंडल बैरागना में संपन्न हुआ जिसमें संच समिति अध्यक्ष, ग्राम प्रधान, अंचल समिति कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष, अंचल प्रशिक्षण प्रमुख, संच प्रशिक्षक, सभी आचार्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उत्तरी दिल्ली चैप्टर – "सहारनपुर की वनयात्रा"

दिनांक 16 जुलाई 2024 को पश्चिम उत्तर प्रदेश संभाग के अंचल शामली, संच झिंझाना विद्यालय ग्राम - शिक्षा मंदिर सेवापुर और बधेव में वनयात्रा की गयी।

भारत लोक शिक्षा परिषद् - "गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजित "

22 जुलाई 2024 को भारत लोक शिक्षा परिषद् द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 500 लोग उपस्थित रहे।

पश्चिमी दिल्ली चैप्टर – "एकल विद्यालय अयोध्या वनयात्रा"

14, 15 एवं 16 सितम्बर 2024 'प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या की वनयात्रा' ट्रस्टी श्री सुभाष अग्रवाल जी, प्रधान श्री किशन कुमार अग्रवाल जी एवं पश्चिमी दिल्ली चैप्टर टीम के नेतृत्व में 100 से अधिक समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने इस वनयात्रा में भाग लिया, जिसमें लगभग 72 नए दानदाता शामिल हुए।

"एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन"

29 सितम्बर 2024 को "वनवासी के राम कार्यक्रम" आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नई एकल सुर ताल टीम द्वारा प्रदर्शन किया गया।

"श्रीमती आर्शी जैन जी की पुस्तक से होने वाली सभी प्रकार की कमाई (Earning) - एकल विद्यालय संचालन हेतु "

02 अक्टूबर 2024 को श्रीमती आर्शी जैन जी (शतकवीर, भारत लोक शिक्षा परिषद्, एकल अभियान) ने उनकी कंपनी Aarshi's Matrimonial के रजत जयंती कार्यक्रम में एकल विद्यालय के लिए इस बार फिर शतकवीर बनना स्वीकार किया है।

सीएसआर कमेटी – "पूर्वोत्तर भारत में एकल विद्यालय की वनयात्रा"

सीएसआर कमेटी द्वारा 2 से 6 अक्टूबर 2024 तक पूर्वोत्तर भारत की वनयात्रा की गयी।

"राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उभरती विघटनकारी शक्तियों की चुनौती व समाधान "

05 अक्टूबर 2024 को वाराणसी में "राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उभरती विघटनकारी शक्तियों की चुनौती व समाधान" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

माँ का स्वरूप

शिक्षाप्रद कहानी

शास्त्रों में माँ को सर्वप्रथम देव रूप में स्थान दिया गया है –

'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव, आचार्य देवो भव।'

एक प्रसिद्ध राजस्थानी लघु कथा है – जब जीवों को जगत् में पहली बार ईश्वर भेजने लगा तो जीवों ने प्रार्थना की – 'प्रभो ! हम आपके अंश है। हम आपके बिना संसार में कैसे रहेंगे ? आप भी हमारे साथ सशरीर चलिये। ईश्वर ने कहा वत्स ! यह असंभव है। हाँ, मेरा स्वरुप तुम सबके साथ सदैव होगा' और ईश्वर ने कृपा करके माँ बना दी। ईश्वर माँ है, या कहना चाहिये कि माँ ही ईश्वर है। अथार्त् ईश्वर का साकार रूप है – माँ।

आइये..... हम सब भारत माता के चरणों में वंदन करते हुए... माँ के रूप में स्नेह और प्यार बाटें और माँ का कर्तव्य निभाते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम् भूमिका निभाएं।

संपादक की कलम से.....

माधुरी अग्रवाल
उपप्रधान
राष्ट्रीय महिला विभाग

सच्ची कमाई है – उत्तम से उत्तम गुणों का संग्रह। संसार का प्रत्येक प्राणी किसी न किसी सद गुण से संपन्न है। गुण देखोगे, गुण पाओगे। दोष देखोगे, दोष मिलेगा। दुनिया के प्राणियों में दोष देखने वाला दोषों का समुद्र बन जाता है।

हम अपनी शांति के लिए एक वस्तु का संग्रह करते हैं तो चार वस्तुओं की नयी आवश्यकताएं हमारे मानस – पटल पर अंकित हो जाती है। हमारी बढ़ी हुई आवश्यकताएं, वासनाएँ ही हमारी वर्तमान अशांति का कारण है।

आइये – उत्तम गुणों का संग्रह कर – भावी पीढ़ी युवाओं को भी साथ लेकर संस्कारित करते हुए एकल के संग भारत में रंग भरे।

आईये अपने सपनों का भारत बनायें और स्वावलंबी, स्वाभिमानी भारत के नागरिक होने का गौरव प्राप्त करें।	
एक एकल विद्यालय	रु 30,000/- वार्षिक
तीस एकल विद्यालय (परमवीर)	रु 9,00,000/- वार्षिक
100 एकल विद्यालय (शतकवीर)	रु 30,00,000/- वार्षिक
1000 एकल विद्यालय (महाशतकवीर)	रु 30,000,000/- वार्षिक
भारत लोक शिक्षा परिषद् भारत सरकार के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (IICA) के अंतर्गत CSR दान के लिए सूचीबद्ध है।	

DONATE NOW

एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु सम्पर्क करें-

Only For 80G:

Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C No: 467902050000186
Union Bank of India, Shalimar Bagh, Delhi
IFSC Code: UBIN0546798

Only for CSR:

Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C NO. 467902010123677
Union Bank Of India, Shalimar Bagh, Delhi
IFSC code: UBIN0546798

For More Info.

प्रकाशक : भारत लोक शिक्षा परिषद्
मुख्य संपादक – श्रीमती माधुरी अग्रवाल (उपप्रधान, राष्ट्रीय महिला विभाग)
सेन्ट्रल ऑफिस : NS-15, FD Block, पीतमपुरा, दिल्ली- 110034
संपर्क सूत्र : 011 4752 3879, 9999399063, 7827207665, 8448386443
ई मेल : administration@blspindia.org, वेबसाइट : www.ekalblspindia.org